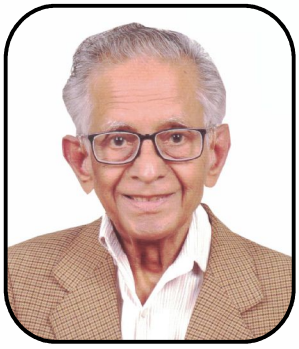

PROF. K. L. KRISHNA

Prof. K. L. Krishna is a renowned scholar of Econometrics and Professor of Economics (Retired), Delhi School of Economics, University of Delhi.

2. Born on 16th August, 1935 in Unguturu village, Krishna District, Andhra Pradesh, Prof. Krishna received his B.A. degree in Mathematics from Andhra University in 1954, M.Sc. degree in Statistics from Kerala University in 1956 and underwent Advanced Professional training on Statistics from Research and Training School headed by Prof. C. R. Rao in Indian Statistical Institute, Kolkata during 1956-58. His teaching and research career began in the Delhi School of Economics (DSE) in 1958. In 1963, as a Fulbright Scholar, he took leave from Delhi University and pursued a Ph.D. in Economics at the University of Chicago from 1963 to 1967. After returning to DSE and DU, he continued his academic pursuits until his retirement in 2000 at the age of 65. He continued to teach Econometrics in honorary capacity at the M.Phil. and Ph.D. level at the DSE until 2010. He supervised a large number of Ph.D. theses and M.Phil. dissertations at DSE. As Visiting Professor at Jawaharlal Nehru University in the early 2000s, he taught Econometrics and supervised 4 Ph.D thesis.

3. Prof. Krishna was Chairman of the Governing Body of Centre for Economic Studies (CESS), Hyderabad during 2007-13. Later during 2013-20, he was Chairman of the Governing Body of the Madras Institute of Development Studies (MIDS), Chennai.

4. Prof. Krishna held many administrative and academic positions such as Chairman of the Standing Committee on Industrial Statistics and Annual Survey of Industries, Government of India, Member of the Andhra Pradesh State Development Board in mid 1980s, Member of the Board of Governors, IGIDR, Mumbai, for about ten years, Director, DSE, Head of Department of Economics at DSE, Chairman of the EXIM Bank Ph.D. Award.

5. Prof. Krishna was President of The Indian Econometric Society (TIES). He was the Founding Managing Editor of the Journal of Quantitative Economics (JQE) from 1985-95. He was leader of the India KLEMS Productivity Project at the Centre of Development Economics (CDE) at DSE during 2013-22. The project was funded by Reserve Bank of India (RBI) and produced the India Productivity Report in 2022. The project is now located in RBI. Prof. Krishna has been engaged in a study of urbanization in India for the last one year.

6. Prof. Krishna was a recipient of Fulbright Travel Grant in 1963 from the United States Educational Foundation in India (USEFI), Golodetz Foundation Fellowship for the two years 1963-65 at the University of Chicago, Ford Foundation Doctoral Fellowship 1964-65 and the Brookings Institution Doctoral Fellowship 1965-66 at the University of Chicago as a Doctoral student.

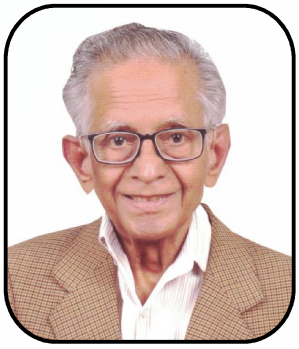

प्रो. के. एल. कृष्णा

प्रो. के. एल. कृष्णा अर्थमिति के प्रसिद्ध विद्वान और दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) हैं।

2. 16 अगस्त, 1935 को आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के उंगुटुरु गांव में जन्मे, प्रो. कृष्णा ने वर्ष 1954 में आंध्र विश्वविद्यालय से गणित में बी.ए. की डिग्री, वर्ष 1956 में केरल विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में एम.एससी. की डिग्री प्राप्त की और 1956–58 के दौरान भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता में प्रो. सी.आर. राव की अध्यक्षता में अनुसंधान और प्रशिक्षण स्कूल से सांख्यिकी पर उन्नत व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। उनके शिक्षण और शोध करियर की शुरुआत वर्ष 1958 में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई) से हुई। वर्ष 1963 में, फुलब्राइट स्कॉलर के रूप में, उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से छुट्टी ली और वर्ष 1963 से 1967 तक शिकागो विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में पीएचडी की। डीएसई और डीयू में लौटने के बाद उन्होंने वर्ष 2000 में 65 वर्ष की आयु में अपनी सेवानिवृत्ति तक अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखा। उन्होंने वर्ष 2010 तक डीएसई में एम. फिल. और पीएचडी स्तर पर मानद क्षमता में अर्थमिति पढ़ाना जारी रखा। उन्होंने डीएसई में बड़ी संख्या में पीएचडी थीसिस और एम. फिल. शोध निबंधों का पर्यवेक्षण किया। 2000 के दशक की शुरुआत में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में, उन्होंने अर्थमिति पढ़ाया और 4 पीएचडी थीसिस का पर्यवेक्षण किया।

3. प्रो. कृष्णा 2007–13 के दौरान हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर इकनोमिक स्टडीज (सीईएसएस) के शासी निकाय के अध्यक्ष थे। बाद में 2013–20 के दौरान, वह चेन्नई स्थित मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज (एमआईडीएस) के शासी निकाय के अध्यक्ष थे।

4. प्रो. कृष्णा ने कई प्रशासनिक और शैक्षणिक पदों पर कार्य किया जैसे कि भारत सरकार में औद्योगिक सांख्यिकी और उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष, 1980 के दशक के मध्य में आंध्र प्रदेश राज्य विकास बोर्ड के सदस्य, लगभग दस वर्षों तक आईजीआईडीआर, मुंबई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य, डीएसई के निदेशक, डीएसई में अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख, एक्जिम बैंक पीएचडी पुरस्कार के अध्यक्ष।

5. प्रो. कृष्णा भारतीय अर्थमितीय सोसायटी (टीआईईएस) के अध्यक्ष थे। वह 1985–95 तक जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स (जेक्यूई) के संस्थापक प्रबंध संपादक थे। वह 2013–22 के दौरान डीएसई में सेंटर ऑफ डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स (सीडीई) में इंडिया केएलईएमएस उत्पादकता परियोजना के लीडर थे। इस परियोजना को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा वित्तपोषित किया गया था और इसने वर्ष 2022 में भारत उत्पादकता रिपोर्ट तैयार की थी। यह परियोजना अब आरबीआई में स्थित है। प्रोफेसर कृष्णा पिछले एक वर्ष से भारत में शहरीकरण के अध्ययन में लगे हुए हैं।

6. प्रो. कृष्णा को वर्ष 1963 में यूनाइटेड स्टेट्स एजुकेशनल फाउंडेशन इन इंडिया (यूएसईएफआई) से फुलब्राइट ट्रैवल ग्रांट, 1963–65 में शिकागो विश्वविद्यालय से दो वर्ष के लिए गोलोडेट्ज़ फाउंडेशन फेलोशिप, 1964–65 में फोर्ड फाउंडेशन डॉक्टरल फेलोशिप तथा 1965–66 में शिकागो विश्वविद्यालय से ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन डॉक्टरल फेलोशिप प्राप्त हुई।